International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 7.150, Volume 06, No. 03(II), July - September, 2024, pp. 26-32

कोविड–19 और पर्यटन

श्री सत्यनारायण खींची*
प्रो. राजीव कुमार सक्सेना**

सार

कोरोनावायरस SARS-COV-2 के कारण होने वाला एक संक्रामक रोग है। कोविड–19 का पहला मामला दिसम्बर 2019 में चीन के वुहान शहर में आया था। कोविड–19 का संक्रमण तब होता है, जब संक्रामक कण सांस के जरिए शरीर में प्रवेश करते हैं या आंखों, नाक या मुंह के सम्पर्क में आते है। भारत मे कोविड–19 का पहला मामला 30 जनवरी 2020 में केरल के तीन शहरों में सामने आया था । भारत में कोरोना वायरस की महामारी से बचाव के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रथम चरण दिनांक 25.03.2020 से 14.04.2020 तक सम्पूर्ण देश में लोकडाउन कर दिया। इस लोकडाउन के अन्तर्गत लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने से रोका गया। सिर्फ अस्पतालों, बैंकों, किराने की दुकानों और अन्य आवश्यक वस्तुओं को छोडकर सभी गैर–आवश्यक सेवाऐं और दुकानों को बन्द रहने का आदेश दिया। भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है। भारत में पर्यटन उद्योग में क्रूज, एडवेंचर, चिकित्सा, स्वास्थ्य, खेल, पर्यावरण– पर्यटन, फिल्म, ग्रामीण और धार्मिक पर्यटन से लेकर भौगोलिक विविधता, विश्व धरोहर स्थलों और विशिष्ट पर्यटन सेवाऐं प्रदान करके आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज पर्यटन सबसे तेजी से बढते हुए आर्थिक क्षेत्रों में से एक है यह व्यापार, रोजगार, निवेश, अवसंरचना के विकास और सामाजिक समावेशन करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन क्षेत्र 'मेक इन इण्डिया' कार्यक्रम का भी एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। 2001 में भारत विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक में 54 वें स्थान पर था। पर्यटन भारतीय विदेशी मुद्रा भण्डार में अत्यधिक योगदान देता है और औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करता है। पर्यटन ने वर्ष 2019 में इस क्षेत्र में कुल रोजगार में 8.8 प्रतिशत, कुल निर्यात में 5.8 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद में 6.9 प्रतिशत योगदान दिया। कोविड–19 का दुनियाभर के पर्यटन उद्योग पर हानिकारक प्रभाव पडा है और वैश्विक जीडीपी और रोजगार में इस क्षेत्र के योगदान में क्रमशः 49 प्रतिशत और 19 प्रतिशत की गिरावट आई है। विश्व व भारत में कोविड–19 महामारी के कारण पर्यटन उद्योग सबसे बुरी तरह से प्रभावित हुआ क्षेत्र था। जिससे घरेलू और विदेशी यात्रियों की संख्या में काफी कमी आई थी।

शब्दकोशः *कोविड–19, पर्यटन, रोजगार, महामारी।*

प्रस्तावना

विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद (World Travel and Tourism Council) की वर्ष 2021 की रिपोर्ट में विश्व सकल घरेलु उत्पाद में योगदान के मामले में भारत के पर्यटन का 10वें स्थान पर रखा गया है। World Economic Forum 2024 की रिपोर्ट में ट्रेवल एंड टूरिज्म डेवलपमेंट इंडेक्स में भारत 39वें पायदान पर है। टॉप 05 देशों की लिस्ट में अमेरिका टॉप पर है इसके साथ ही स्पेन दूसरे पर फ्रांस तीसरे पर आस्ट्रेलिया चौथे पर

* सह आचार्य (ई.ए.एफ.एम.), राजकीय कन्या महाविद्यालय, टोंक, राजस्थान।
** सेवानिवृत प्रोफेसर, ई.ए.एफ.एम. विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

तथा जापान पॉचवें पायदान पर है। ट्रेवल एंड टूरिज्म डेवलपमेंट इंडेक्स में टॉप 30 देशों ने मिलकर 2022 में दुनिया की यात्रा और पर्यटन ने अर्थव्यवस्था में 75% योगदान दिया है। अगर हम वर्ष 2021 में वैश्विक यात्रा और पर्यटन विकास तालिका में भारत का 54 वां स्थान था।

पर्यटन उद्योग को लम्बे समय से वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों में से एक माना जाता है पर्यटन में अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और होटल सेवाओं से लेकर खानपान, परिवहन, अवकाश और संस्कृति तक की कई तरह की गतिविधियाँ शामिल है। पर्यटन न केवल अन्वेषण और खोज के अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण आर्थिक प्रभाव भी डालता है। अगर हम पर्यटन की आर्थिक शक्ति पर गहराई से नजर डालेंगे तो इसमें रोजगार सृजन, आर्थिक विकास, निवेश गुणक प्रभाव और उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों को देखा जा सकता है।

पर्यटन से प्राप्तियों के मामले में ऐसे देश जो भारत से ऊपर हैं, 2020–2022

2020			2021			2022*		
रैंक	राष्ट्रीयता	पर्यटन प्राप्तियां (बिलियन अमरीकी डालर में)	रैंक	राष्ट्रीयता	पर्यटन प्राप्तियां (बिलियन अमरीकी डालर में)	रैंक	राष्ट्रीयता	पर्यटन प्राप्तियां (बिलियन अमरीकी डालर में)
1	यूएसए	72.5	1	यूएसए	70.2	1	यूएसए	135.2
2	फ्रांस	32.6	2	फ्रांस	40.8	2	स्पेन	72.9
3	यूके	26.7	3	स्पेन	34.5	3	यूके	67.6
4	ऑस्ट्रेलिया	25.8	4	यूके	33.0	4	फ्रांस	59.7
5	जर्मनी	22.1	5	संयुक्त अरब अमीरात	27.6	5	संयुक्त अरब अमीरात	एनए
6	इटली	19.8	6	तुर्की	26.6	6	इटली	46.6
7	संयुक्त अरब अमीरात	19.7	7	इटली	25.2	7	तुर्की	41.4
8	स्पेन	18.5	8	जर्मनी	22.3	8	जर्मनी	31.5
9	ऑस्ट्रीया	13.8	9	मेक्सिको	19.8	9	मेक्सिको	28.0
10	कनाडा	13.6	10	ऑस्ट्रेलिया	17.0	10	कनाडा	24.3
11	थाईलैंड	13.4	11	मकाओ चीन	15.2	11	ऑस्ट्रेलिया	24.1
12	तुर्की	13.3	12	कनाडा	14.5	12	सऊदी अरब	23.5
13	भारत	13.0	13	ग्रीस	12.4	13	पुर्तगाल	22.3
			14	पुर्तगाल	11.9	14	भारत	21.4
			23	भारत	8.7			

स्रोत : यूएनडब्ल्यूटीओ बैरोमीटर सितम्बर 2023

*: अनंतिम,

पर्यटन उद्योग कोविड–19 महामारी से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र रहा है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (United Nation World Tourism Organisation – UNWTO) के अनुसार वर्ष 1950 से लेकर वर्ष 2022 तक यह सबसे गंभीर संकट रहा है जिसका सामना भारत व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को करना पड़ा है।

तलिका 1: अप्रैल से दिसंम्बर (2019–2020) के दौरान में राजस्थान के पर्यटन उद्योग को हानि की तुलना

Month	2019	2020	Difference	Percentage Loss
April	774651	470	774181	99.94
May	615136	1329	613807	99.78
June	726446	4480	721966	99.38
July	818125	6503	811622	99.21
August	800837	11619	789218	98.55
September	751513	18469	733044	97.54
October	945017	30917	914100	96.73
November	1092440	60156	1032284	94.49
December	1226398	79910	1146488	93.48

वर्ष 2021 तक की स्थिति के अनुसार यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भारत के 40 स्थल है जिसमें 32 सांस्कृतिक, 07 प्राकृतिक और 01 मिश्रित सूचीबद्ध है। दिसम्बर 2019 से लेकर दिसम्बर 2021 तक विदेशी व स्वदेशी पर्यटकों के आवागमन, भ्रमण में तेजी से गिरावट आयी जिससे भारत की अर्थव्यवस्था ही नहीं अपितु विश्व के अनेक देश जो पर्यटन उद्योग से जुड़े है उनकी अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ा। भारतीय अर्थव्यवस्था पर वित्तीय संकट, गरीबी, उत्पादन, बेरोजगारी, निवेश इत्यादि चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दुनियाभर में इस साल 2024 में खर्च होने वाले प्रत्येक 10 डॉलर में से 01 डॉलर ट्रैवल पर खर्च होगा। लोग होटल, क्रूज और फ्लाइट की बुकिंग पर खर्च करेंगे। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (WTTC) ने अपनी रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक ट्रैवल इंडस्ट्री का दुनिया की जीडीपी में इस साल योगदान सालाना आधार पर 12.1% बढ़कर रिकॉर्ड करीब 924 लाख करोड़ रूपये होने की उम्मीद है। यह दुनिया की जीडीपी का 10 प्रतिशत होगा।

यह प्री कोविड लेवल 2019 के पुराने रिकॉर्ड से भी 7.5 प्रतिशत ज्यादा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक लोग यात्रा को अपनी जीवनशैली और बजट का महत्वपूर्ण तत्व मान रहे हैं, जो कि पर्यटन उद्योग के लिए एक सकारात्मक संकेत हैं। वर्ष 2024 में लगभग 34.8 करोड़ नौकरियों का समर्थन मिलने की उम्मीद है। यह कोविड पूर्व 2019 की तुलना में 1.36 करोड़ अधिक नौकरियां है। यूएस ट्रैवल एसोसिएशन के अनुसार अमेरिका में इस सेक्टर में 10 लाख पद खाली हैं। 2023 में इस सेक्टर में लगभग 2.7 करोड़ नौकरियां थीं।

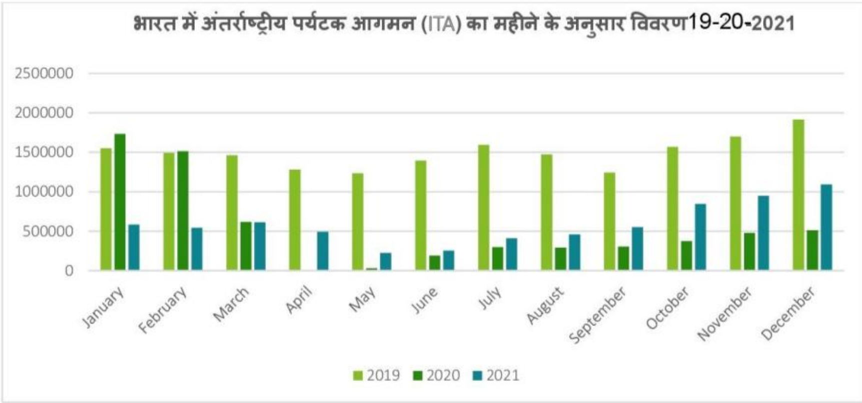

भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन (ITAs) 2019-2021 (स्रोत: भारत पर्यटन सांख्यिकी, 2022)

निम्न आरेख (डायग्राम) की मदद से पर्यटन उद्योग पर कोविड–19 के दुष्प्रभाव का समझने का प्रयास करेंगे।

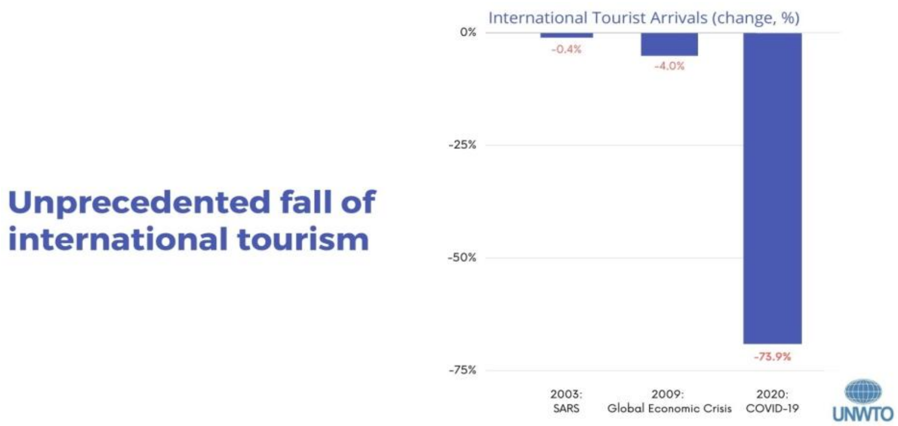

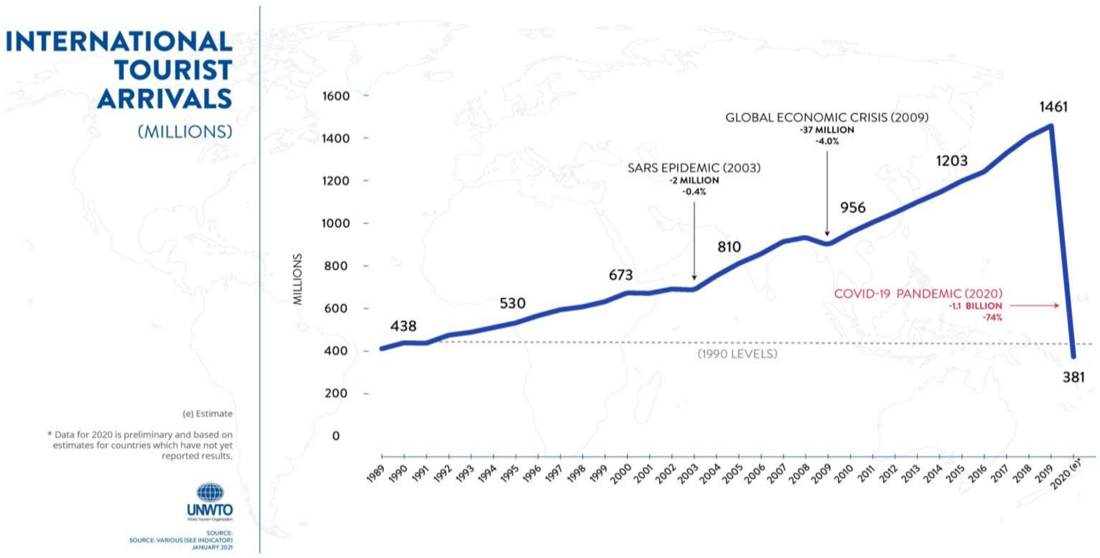

भारत में विदेशी पर्यटक आगमन (एफ़टीए) वर्ष 1981 में 1.28 मिलियन से बढ़कर वर्ष 1991 में 1.68 मिलियन, वर्ष 2001 में 2.54 मिलियन, वर्ष 2011 में 6.31 मिलियन और वर्ष 2019 में 10.93 मिलियन पर पहुँच गया। वर्ष 2020 में विश्वभर में कोविड–19 महामारी और तत्पश्चात् भारत में घोषित लॉकडाउन के कारण विदेशी पर्यटकों के आगमन में भारी कमी आयी। लॉकडाउन और अर्थव्यवस्था के खुलने पर पर्यटन उद्योग में बहाली के बढ़ते सकेंत दिखाई दिये। वर्ष 2022 भारत में 6.44 मिलियन एफटीए दर्ज किया गया। यानि वर्ष 2021 की तुलना में 321.54% की वृद्धि दर के साथ पूर्व महामारी स्तर का लगभग 60% स्तर प्राप्त कर लिया । अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटक आगमन (आईटीए) के मामले में, भारत में पूर्व – महामारी स्तर का 80% प्राप्त करके 104. 4% के वृद्धि दर के स्तर के साथ 14.33 मिलियन अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए) दर्ज किया गया।

तालिका में पिछले वर्ष के तदनुरूपी वृद्धि दर के साथ – साथ भारत में एफटीए, एनआरआई आगमन और आईटीए की संख्या को दर्शाया गया है।

अंतर्गामी पर्यटन : विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए), अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) का आगमन और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए), 1981, 1991, 2001 और 2011–2022

वर्ष	भारत में एफटीए (मिलियन में)	पिछले वर्ष की तुलना में परिवर्तन का प्रतिशत	भारत में अनिवासी भारतीयों का आगमन (मिलियन में)	पिछले वर्ष की तुलना में परिवर्तन का प्रतिशत	भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (मिलियन में)	पिछले वर्ष की तुलना में परिवर्तन का प्रतिशत
1981	1.28	2.0	-	-	-	-
1991	1.68	-1.7	-	-	-	-
2001	2.54	-4.2	-	-	-	-
2011	6.31	9.2	-	-	-	-
2012	6.58	4.3	-	-	-	-
2013	6.97	5.9	-	-	-	-
2014	7.68	10.2	5.43	-	13.11	-
2015	8.03	4.6	5.74	5.7	13.76	5.0
2016	8.80	9.6	6.22	8.4	15.03	9.2
2017	10.04	14.1	6.77	8.8	16.81	11.8
2018	10.56	5.2	6.87	1.5	17.42	3.6
2019	10.93	3.5	6.98	1.6	17.91	2.8
2020	2.74	-74.9	3.59	-48.6	6.33	-64.7
2021	1.52	-44.5	5.48	52.6	7.00	10.6
2022	6.44	321.5	7.89	43.9	14.33	104.43

स्रोत : आप्रवासन ब्यूरो, भारत सरकार

शोध का मुख्य उद्देश्य

- कोविड–19 से पर्यटन उद्योग पर प्रभाव का अध्ययन करने के लिए।
- कोविड–19 से पर्यटन उद्योग का वर्ष 2019 से लेकर वर्ष 2021 तक का विश्लेषण करने के लिए।
- कोविड–19 से पर्यटन उद्योग में आने वाली चुनौतियों का अध्ययन करने के लिए।

भारत के पर्यटन उद्योग पर कोरोना वायरस के दुष्प्रभाव

- स्वदेशी व विदेशी पर्यटकों के आवागमन निरन्तर घट रहा था।
- परिवहन के साधन जैसे बस, रेल, जहाज, हवाईजहाज पर्यटकों की कमी से जूझ रहे थे।
- कोविड–19 से विदेशी मुद्रा के भण्डार में निरन्तर कमी देखी गयी।
- कोविड–19 से रेस्टोरेन्ट, रिर्सोट व होटल इत्यादि की आय बहुत ज्यादा कम हो गयी थी।
- खाने–पीने की दूकानों व खाद्य वस्तुओं की कीमते तेजी से बढ़ गयी थी।
- कोविड–19 से पर्यटकों से प्राप्त होने वाले राजस्व में भारी कमी आयी थी।
- कोविड–19 से पर्यटन की कमी से बेरोजगारी में अभूतपूर्व वृद्धि हुई थी।
- कोविड–19 से पर्यटन उद्योग की सांस्कृतिक गतिविधियॉ, मेलों में कमी आई थी।
- कोविड–19 से पर्यटन से जुड़े क्षेत्र जैसे कृषि, मत्स्य पालन, खाद्य उद्योग, निर्माण, हैंडलूम आदि में गिरावट आयी।

निष्कर्ष

कोरोना वायरस महामारी के कारण पर्यटन उद्योग के साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था का हर क्षेत्र इससे प्रभावित हुआ जिससे विकास की गति सिर्फ भारत की नहीं अपितू सम्पूर्ण विश्व की रूक सी गई। भारत में कृषि के बाद पर्यटन उद्योग अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है लेकिन दिसम्बर 2019 से लेकर वर्ष 2022 तक इस प्रतिकूल प्रभाव पड़े। जिससे पर्यटन उद्योग में बेरोजगारी, विदेशी भण्डार में कमी, परिवहन सेवा में कमी, निर्माण मे कमी इत्यादि का सामना करना पड़ा।

हमें सकारात्मक सोच रखते हुए देश की लगभग 01 अरब 45 करोड़ जनसंख्या को कोरोना वायरस से हुए पर्यटन उद्योग के नुकसान को दूर करना होगा और निरन्तर पर्यटन उद्योग के विकास हेतु कार्य करना होगा।

संन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. राजस्थान सुजस, सूचना, एवं जनसम्पर्क विभाग, जयपुर (मार्च 2020 से अगस्त 2024)
2. http://www.incredibleindia.org
3. http://iitf.gov.in
4. http://www.indiathelandofbudddha.in
5. http://nidhi.nic.in
6. http://utsav.gov.in
7. http://tourism.gov.in
8. http://www.e-unwto.org
9. http://utsav.gov.in
10. http://www.tourism. Rajasthan.gov.in
11. http://en.wikipedia.org

12. Rajeev Singh Chandel, Shruti Kanga, and Suraj Kumar Singh Gyan Vihar University, Jaipur, Rajasthan (Research article)

13. RBI, WHO, IMF, Ministry of Health & Family Welfare पर प्रसारित रिपोर्ट।

14. मार्च 2020 से अगस्त 2024 तक विभिन्न समाचार पत्रों जैसे– इकॉनोमिक्स टाईम्स, टाईम्स ऑफ इण्डिया, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर प्रभा साक्षी, अमर उजाला, इत्यादि में प्रकाशित कोविड–19 और पर्यटन से सम्बन्धित विशेष लेख, टिप्पणीयाँ एवं सम्पादकीय से एकत्रित की गई सामग्री।

15. मार्च 2020 से अगस्त 2024 तक प्रसारित विभिन्न न्यूज चैनलों जैसे एनडीटीवी, बीबीसी, आज तक में प्रसारित न्यूज।

16. प्रगति प्रतिवेदन 2023–24 पर्यटन विभाग, राजस्थान

17. भारत पर्यटन आकड़े 2023, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार।

❖◆❖